Code No.: BFVDS-13

Total No. of Questions : 5 Total No. of Printed Pages : 2

स्नातकपरीक्षाः– २०१५

बि.ए. – विद्वन्मध्यमा – प्रथमवर्षम्

शास्त्रम् – सामवेदः रहस्यान्तः

भागः – २, पत्रिका – ३

विषयः – नारदीय शिक्षा

दिनाङ्कः – 1-4-2015 **गरिष्ठाङ्काः – १००**

समयः – 10.00 A.M. to 1.00 P.M. Max. Marks – 100

I. ग्रन्थोक्तदिशा एतेषां निरूपणं कुरुत (षडेव)। **6 × 5 = 30**

१. अथातः स्वरशास्त्राणां श्लोकमिमं व्याख्यात।

२. स्वरमण्डलं निरूपयत।

३. षड्धादि स्वराणां उच्चारणेन के के प्रिणन्ति।

४. गीतिदोषाः कति? शिक्षोक्तदिशा निरूपयत।

५. षड्ध, व्यध्यमयोः ग्रामलक्षणं निरूपयत।

६. षड्धादि स्वरं के के उच्चारयन्ति?

७. हस्ताङ्गुलि निर्देशनं ग्रन्थोक्तदिशा प्रतिपादयत।

८. नात्याहन्या ननिर्हन्या श्लोकमिमं व्याख्यात।

९. क्रुष्टेन देवा धिवन्ति ..... सामिकैः स्वरैः व्याख्यात।

१०. आर्चिक स्वर निरूपणं ग्रन्थोक्तदिशा प्रतिपादयत।

II. उत्तरं लिखत। **10 × 1 = 10**

१. स्वरवैगुण्येन कः दोषः?

२. सामस्वराः के?

३. ग्रामाः कति? नामानि लिखत।

४. पितृमूर्च्छनाः के?

५. रक्तं नाम किं?

-अनुवर्तते

६. स्वरवर्णाः के?

७. मध्यमग्राम लक्षणं किं?

८. काकलि नमि किं?

९. पञ्चम स्वरोत्पतिं निरूपयत।

१०. कूर्मोऽङ्गानीव श्लोकमिमं व्याख्यात।

III. विवृणुत (चतुर्णामेव) **4 × 10 = 40**

१. मन्तोहीनः ..... सम्यक् व्याख्यात।

२. एकविंशतिमूर्च्छनानि निरूपयत।

३. दशगुणान् निरूपयत।

४. कण्ठादुत्तिष्टते ..... श्लोकद्वयं व्याख्यात।

५. सममुच्चारयेद्वर्णान् ..... व्याख्यात।

६. यथा दध्निः सर्पिस्यात् ..... श्लोकद्वयं व्याख्यात।

७. अंगुष्टस्योत्तमे क्रुष्टो ..... ग्रन्थोक्तदिशा निरूपयत।

IV. स्वरित प्रकारात् ग्रन्थोक्तदिशा प्रतिपादयत। **10**

V. १. गन्धर्वपदं निरूपणं कुरुत। **2 × 5 = 10**

२. अध्ययने अंगुलीषु स्वरनिर्देश विधिं लिखत।